an>

Title: Need to celebrate the birth anniversary of Mahatma Baraveshwara.

श्री भगवंत खुबा (बीदर): सभापति महोदय, मैं आपको दो बार धन्यवाद करता हूं। मुझे कम से कम तीन मिनट बोलने दीजिए क्योंकि बहुत कम बार बोलने का मौका मिलता है। ऋÂिषयों और महापुरुÂषों को स्मरण करना हमारे देश की परम्परा रही है। महापुरुÂा महात्मा बसवेश्वर जी का आने वाली 9 तारीख अक्षय तृतीय में जन्म दिवस है। उस दिन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जयन्तोत्सव का आचरण करना चाहिए। पार्लियामैंट के अंदर उनकी जो मूर्ति लगी हुई है, स्पीकर महोदया द्वारा उसका आवरण करना चाहिए क्योंकि महात्मा बसवेश्वर जी ने जिस वक्त जाति के बारे में बहुत ऊपर-नीचे हो रहा था, अस्पृश्यता, अंधकार और स्त्री-पुरुÂाों के बीच अंतर की दÂिष्ट से दुनिया देखती थी, स्त्री और पुरुÂषों को समानता दी। 12वीं शताब्दी में अनुभव मंडप द्वारा आज विश्व में जो पार्लियामैंट है, उसके जनक अनुभव मंडप है। अनुभव मंडप में सभी जाति, धर्म और व्यवसाय के लोग 770 सदस्यों के साथ अल्लम प्रभु जी स्पीकर के नाते वहां काम करते थे। इसीलिए उन महापुरुष्Âा की जयन्ती का आचरण करना चाहिए, मेरी यह विनती और मांग है।

माननीय सभापति: श्री कुंवर पुÂष्पेंद्र सिंह चंदेल को श्री भगवंत खुबा द्वारा उठाए गए विष्Âाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।